यीशु वास्तव में कौन है? यह बालक जानते हैं।

प्रार्थना :''हे प्रिय प्रभु, कृपया बच्चों की सहायता करें कि वे उस जीवन की प्रसंशा करें, जैसा यीशु ने व्यतीत किया, और यह विश्वास करने में सहायता करें कि यीशु एक सच्चे परमेश्वर के पुत्र हैं, जो मनुष्य बनकर संसार में आए।''

किसी भी ऐसी गतिविधि का चुनाव करें जिससे शिक्षा ली जा सके।

लूका 19:28-40 के आधार पर एक युवा बालक यीशु द्वारा येरूशलेम में विजयी प्रवेश की घटना बताए। यह घटना बताती है कि किस प्रकार साधारण लोगों ने यीशु की प्रसंशा की, उसे प्रतिज्ञात मसीहा स्वीकार किया, कि यीशु वह राजा है जो सारे संसार में शान्ति और स्वतनत्रता लायेगा।

सारा वृतान्त सुनाने के पश्चात् निम्मलिखित प्रश्न पूछें।*(प्रश्नों के उत्तर भी दिए जा रहे हैं)*

- येरूशलेम में प्रवेश करने के लिए यीशु को गधे का बच्चा कैसे प्राप्त हुआ? *(पद 30 देखें)*
- चेलों ने गधे के बच्चे के स्वामी से क्या कहा था? *(पद 34)*
- मत्ती 21:8 में लिखा है, लोगों ने पेड़ों से डालियां काटकर यीशु के मार्ग में बिछाई। इसके अलावा और किस प्रकार से लोगों ने अपना आनन्द और प्रशंसा प्रकट की? *(पद 36-37)*
- लोगों ने यीशु के विषय क्या कहा कि वे कौन हैं? *(पद 38)*
- यीशु ने क्या कहा, कि यदि लोग चुप हो जाएंगे तो क्या होगा? *(पद 39-40)*

इस घटना की पृष्ठभूमि समझाएं :

- क्रूस पर चढ़ाए जाने से पहले यीशु रविवार को येरूशलेम में आए थे।
- कुछ मसीही लोग इस दिन को खजूरों का इतवार कहते हैं क्योंकि इस दिन लोगों ने येरूशलेम का मार्ग खजूर की डालियों से सजा दिया था।

- अपने पुनरुत्थान व मृत्यु से एक सप्ताह पहले यीशु ने येरूशलेम में प्रवेश किया था। इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना इस सप्ताह में घटी थी।
- कुछ धार्मिक अगुवों एवं राजकीय अधिकारियों को यीशु से ईर्ष्या इसलिए थी क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं यीशु उनका अधिकार न छीन ले।
- अनेकों लोगों ने यीशु द्वारा चंगाई पाई थी और वे जानते थे कि यीशु वह मसीह हैं जिनकी पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि मसीहा आएगा।

- यीशु स्वयं परमेश्वर हैं जो मनुष्य बनकर संसार में आए थे। वे स्वर्गदूत नहीं थे और न ही आधे परमेश्वर और आधे मनुष्य थे। वे सिद्ध मानव और सिद्ध परमेश्वर दोनों थे, अर्थात् स्वर्ग और पृथ्वी को जोड़ने वाले एकमात्र पुल।

लूका 19:28-40 पर आधारित यीशु के येरूशलेम में विजयी प्रवेश पर एक नाटक प्रस्तुत कीजिए।

- आराधना के अगुवे के सहयोग से बच्चों द्वारा नाटक प्रस्तुत करने का प्रबन्ध कीजिए।
- जब बच्चों को पढ़ाने का आपका समय होता है, उसी समय बच्चों के साथ नाटक की तैयारी कीजिए।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों की तैयारी में सहायता करें।
- यदि नाटक के पात्रों की कमी हो जाए तो उद्घोषक स्वयं ही वह भूमिका अदा कर ले।
- बड़े व युवक यीशु, गधा, गधे का स्वामी, व उद्घोषक की भूमिका करें। उद्घोषक नाटक का सारांश प्रस्तुत करने के साथ-साथ बच्चों को याद दिलाने में भी सहायता करें कि बच्चों को कब क्या कहना है और करना है।
- छोटे बच्चे चेलों, फरीसियों व भीड़ की भूमिका करें। जो बच्चे चेले हैं या भीड़ की भूमिका कर रहे हैं, उनके हाथ में डालियां, कपड़े और कोट आदि हों।

उद्घोषक : लूका 19:28-35 पर आधारित कहानी का सारांश प्रस्तुत करने के पश्चात् यह कहें, 'सुनिए कि यीशु ने अपने शिष्यों से क्या कहा...

यीशु : अब समय आ गया है कि मैं येरूशलेम जाऊं। उस गांव में जो सामने है, जाओ और वहां से एक गधे का बच्चा खोलकर ले आओ, और गधे के स्वामी से कहो कि गुरु को इसकी आवश्यकता है।''

चेलें : चेले गधे के निकट ज़ाकर उसे खोलते हैं और उस पर अपना कोट डाल देते हैं।

गधे का स्वामी : ठहरो, यह क्या कर रहो हो, उसे क्यों खोलते हो?

चेले : गुरु को इसकी आवश्यकता है।

गधे का स्वामी : ठीक है, तब ले जाओ।

चेले : उस गधे को यीशु के पास लाते हैं।

यीशु : गधे पर बैठ जाते हैं।

गधे का स्वामी : देखो, यीशु गधे के बच्चे पर सवारी कर रहा है, जिस पर कभी किसी ने सवारी नहीं की है।

उद्घोषक : कहानी का दूसरा भाग प्रस्तुत करें जो लूका 19:36-40 पर आधारित हो। तब यह कहें-सुनो कि भीड़ क्या कहती है-

भीड़ : सब बच्चे यीशु के सामने अपने कोट डाल दें। डालियां हिलाएं और नीचे बिछा दें। फिर चिल्लाएं-परमेश्वर की महिमा हो, होशन्ना, राजा आ रहा है।

फरीसी : (गुस्से से भरकर) यीशु, अपने चेलों को रोको, उनसे चिल्लाना बन्द करने को कहो।

यीशु : यदि ये चुप रहें, तो पत्थर चिल्ला उठेंगे।

उद्घोषक: जब नाटक समाप्त हो जाए तो प्रत्येक का धन्यवाद करें।

प्रश्न : यदि बच्चों ने यह नाटक युवकों के लिए किया है, तो उनसे भी वे प्रश्न पूछने को कहें जो ऊपर दिया गया है।

कविता : भजन संहिता 118:22-24, 26 व 28 पद कुछ बच्चे पढ़ें।

बच्चों से कहें कि वे कुछ उपाय बताएं जिनके द्वारा हम यीशु की प्रभु और राजा के रूप में स्तुति कर सकें। बच्चे तथा युवक उदाहरण दें।

एक खजूर की डाली बनाएं और बच्चे उसकी नकल करें।

- बड़े बच्चे शायद खजूर का पेड़ बनाना चाहें।

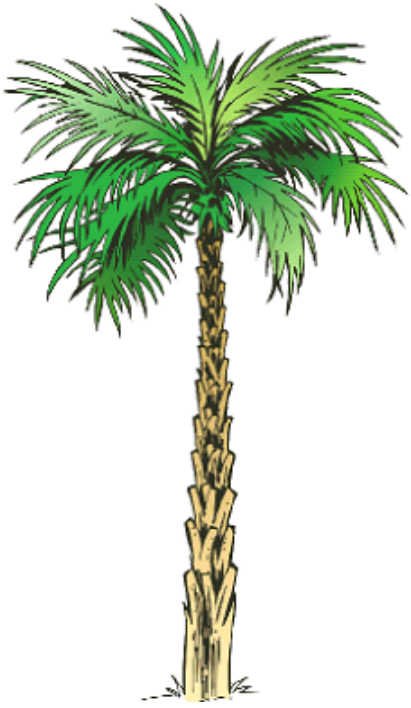

- गली आराधना सभा में बच्चे अपने चित्र युवा बच्चों को दिखाएं और बताएं कि यह डाली संकेत करती है कि हमें किस प्रकार यीशु ख्रीस्त की प्रभु व राजा के रूप में प्रसंशा करनी चाहिए।

कंठस्थ करें : यूहन्न 14:6

प्रार्थना : ''हे प्रिय प्रभु, आप ही हमारे एकमात्र परमेश्वर हैं हम आपकी आराधना करते हैं। यद्यपि कि बहुतेरे लोग नहीं जानते कि आप वास्तव में हैं कौन, पर हम जानते हैं कि आप कितने प्रिय और अनूठे प्रभु हैं। इसी कारण हम आपकी स्तुति करते हैं। हमारी सहायता कीजिए कि हम आपके बारे में दूसरों को भी बता सकें ताकि वे भी आकर आपकी प्रसंशा कर सकें।'' आमीन।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net